सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

अवसर के बिना काबिलियत कुछ भी नहीं है।
-नेपोलियन बोनापार्ट

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 129 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 14 जून, 2022

बड़ा मंगल: हनुमान मंदिर में... 8 | राष्ट्रीय स्तर पर घटा सपा का... 3 | कुशीनगर: बस-ट्रक में टक्कर... 7

युवाओं के गुस्से को देखकर केंद्र सरकार ने खोला नौकरियों का पिटारा मोदी और राजनाथ ने की घोषणा

» प्रधानमंत्री ने किया डेढ़ साल में दस लाख पदों पर नियुक्ति का ऐलान रक्षामंत्री ने लॉन्च की अग्निपथ भर्ती योजना

» केंद्र सरकार के सभी विभागों और मंत्रालयों में होगी नियुक्ति, सेना में चार साल के लिए तैनात होंगे अग्निवीर

» बढ़ती बेरोजगारी को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर था हमलावर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में बढ़ती बेरोजगारी और युवाओं के गुस्से को देखते हुए केंद्र सरकार ने अब नौकरियों का पिटारा खोल दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां डेढ़ वर्ष में केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों और मंत्रालयों में दस लाख पदों पर भर्ती का ऐलान किया है वहीं रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सेना में चार साल की अवधि तक की भर्ती के लिए अग्निपथ भर्ती योजना लॉन्च की है। इसके तहत सेना में अग्निवीर तैनात होंगे।

आने वाले डेढ़ वर्षों में केंद्र सरकार अपने विभिन्न विभागों और मंत्रालयों में दस लाख पदों पर भर्ती करेगी। पीएमओ की ओर से किए गए ट्वीट में बताया गया है कि पीएम ने सभी विभागों और मंत्रालयों में मानव संसाधन की समीक्षा की और निर्देश दिया कि अगले डेढ़ वर्षों में मिशन मोड में 10 लाख लोगों की भर्ती की जाए। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज सेना में भर्ती प्रक्रिया में बड़े बदलाव के लिए अग्निपथ भर्ती योजना का ऐलान किया। गौरतलब है कि विपक्ष बेरोजगारी को लेकर सरकार पर हमलावर था।

क्या है अग्निपथ भर्ती योजना

अग्निपथ भर्ती योजना के तहत अग्निवीरों की भर्ती पूरे देश से की जाएगी। मेरिट में आए युवाओं को इसमें चुना जाएगा। चुने गए कैंडिडेट्स बतौर अग्निवीर चार साल तक सेना में सर्विस देंगे। इसमें छह महीने की ट्रेनिंग अवधि भी शामिल है। साढ़े 17 से 21 साल के युवा इसमें नौकरी पा सकते हैं। चार साल के बाद 80 प्रतिशत सैनिकों को कार्यमुक्त कर दिया जाएगा और आगे रोजगार के अवसर मुहैया कराने में सेना उनकी मदद करेगी। अग्निवीरों को एक अच्छा पे-पैकेज मिलेगा। इसके अलावा एग्जिट के वक्त अच्छी रकम दी जाएगी। यदि अग्निवीर सेवा के दौरान सर्वोच्च बलिदान देता है तो उसके परिवार को एक करोड़ रुपये की राशि दी जाएगी। इसके अलावा दिव्यांग होने की स्थिति में 48 लाख रुपये की राहत राशि प्रदान की जाएगी।

कई राज्यों में चुनाव से पहले चला बड़ा दांव

कई राज्यों में चुनाव से पहले भाजपा ने बड़ा दांव चला है। 10 लाख नौकरियां देने का टारगेट दिसंबर 2023 रखा गया है। वर्ष 2022 में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में भी विधान सभा चुनाव होने वाले हैं। इसके अलावा वर्ष 2023 में मेघालय, नागालैंड, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटक छत्तीसगढ़, मिजोरम, तेलंगाना और त्रिपुरा में भी चुनाव होने हैं। ये सभी राज्य 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव की नजर से बेहद अहम माने जा रहे हैं।

कांग्रेस ने साधा निशाना

कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि देश में बीते 50 सालों में बेरोजगारी दर सबसे अधिक है। रुपया भी डॉलर के मुकाबले 75 सालों में सबसे कम कीमत पर है। उन्होंने सवाल किया कि पीएम मोदी केवल ट्विटर-ट्विटर खेलकर कब तक इन बातों से ध्यान हटाएंगे?

बेरोजगारी को लेकर वरुण थे हमलावर

भाजपा सांसद वरुण गांधी भी बेरोजगारी को लेकर कई बार अपनी सरकार पर हमलावर रहे। पिछले दिनों उन्होंने ट्वीट किया था, जब बेरोजगारी तीन दशकों के सर्वोच्च स्तर पर है। तब यह आंकड़े चौंकाने वाले हैं। भर्तियां न आने से करोड़ों युवा हताश और निराश हैं। सरकारी आंकड़ों की ही मानें तो देश में 60 लाख स्वीकृत पद खाली पड़े हैं। कहां गया वह बजट जो इन पदों के लिए आवंटित था। यह जानने का हर नौजवान को हक है। इसके साथ उन्होंने रिक्त पदों का एक चार्ट भी पोस्ट किया था। वहीं आज पीएम के ऐलान के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए ट्वीट किया है कि नए रोजगार का सृजन करने के साथ हमें एक करोड़ से अधिक 'स्वीकृत परंतु रिक्त' पदों को भरने हेतु सार्थक प्रयास करना होगा।

राहुल पर ईडी के सवालों की बौछार, भाजपा ने कसा तंज

» कांग्रेस ने किया प्रदर्शन सीएम भूपेश बघेल समेत कई नेता हिरासत में

» भाजपा बोली, पहले करते हैं भ्रष्टाचार, अब कर रहे ड्रामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस में आज दूसरे दिन भी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी पर ईडी ने सवाल की बौछार की। वहीं ईडी की जांच के विरोध में कांग्रेस ने आज भी प्रदर्शन किया। दिल्ली पुलिस ने छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल समेत कई नेताओं को हिरासत में लिया है। इससे पहले सोमवार को भी राहुल गांधी से ईडी के अधिकारियों ने करीब 10 घंटे तक पूछताछ की थी। पहली बार ईडी की पूछताछ का सामना करने वाले राहुल गांधी ने अधिकांश सवालों पर चुप्पी साध ली थी।

राहुल गांधी की ईडी से पूछताछ के बीच कांग्रेस ने आज भी प्रदर्शन किया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कोई मामला नहीं है, यह मनगढ़ंत है। मोदी सरकार राजनीतिक प्रतिशोध ले रही है। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कई नेताओं को हिरासत में लिया है। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान, श्रीनिवास बीवी, केसी वेणुगोपाल, अधीर रंजन चौधरी, गौरव गोगोई, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, रंजीत रंजन, इमरान प्रतापगढ़ी समेत कई नेताओं को हिरासत में लिया गया है। पार्टी नेता राहुल गांधी के खिलाफ ईडी जांच का विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम लोगों को जाने नहीं दिया जा रहा क्योंकि उनका उद्देश्य है कि इस सत्याग्रह से ज्यादा लोग न जुड़ें। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि ये समझ से परे है कि यहां की पुलिस प्रशासन को सरकार की ओर से कितना दबाव झेलना पड़ रहा है। कानून अपना काम करे, 144 लगी है तो आप हिरासत में ले लीजिए, लेकिन आप पार्टी कार्यालय में आने से नहीं रोक सकते हैं, लोकतंत्र की हत्या हो रही है।

इसके पहले कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा, पार्टी नेता और अपने भाई राहुल गांधी से मिलने उनके आवास पर पहुंची थीं। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला है। संबित ने कहा कि कांग्रेस के नेता पहले भ्रष्टाचार करते हैं फिर ड्रामा करते हैं। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी पहले नंबर की आरोपी हैं तो राहुल दूसरे नंबर के आरोपी हैं।

निम्न स्तर पर पहुंच गईं प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं : अखिलेश

» भाजपा सरकार ने गरीबों के इलाज में नहीं दिखाई कोई रुचि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पिछले पांच साल के भाजपा राज में स्वास्थ्य सेवाएं निम्न स्तर पर पहुंच गईं हैं। नए स्वास्थ्य मंत्री इस सच्चाई से अवगत भी हैं पर नतीजा ढाक के तीन पात ही है। भाजपा सरकार में न तो एंबुलेंस है, न दवा, न ही मरीजों को उपचार मिल रहा है। अखिलेश ने एक बयान में कहा कि समाजवादी सरकार ने नए मेडिकल कालेजों की स्थापना के साथ एमबीबीएस की सीटें भी बढ़ाई थीं।

गंभीर बीमारियों कैंसर, किडनी, हार्ट और लिवर के इलाज की मुफ्त व्यवस्था की थी। भाजपा सरकार ने गरीबों के इलाज में कोई रुचि नहीं दिखाई। कीमती मशीनों के डिब्बे खोलकर भी नहीं देखे गए। भाजपा सरकार की मानसिकता गरीब विरोधी और पूंजी-घरानों के संरक्षण की है। इसलिए सरकारी अस्पतालों की हालत बिगड़ती जा रही है और प्राइवेट अस्पताल व नर्सिंग होम फलते-फूलते जा रहे हैं। समाजवादी सरकार की एंबुलेंस सेवा 108 और 102 बदहाली से गुजर रही है। भाजपा सरकार ने अस्पतालों के नाम पर खंडहर खड़े कर दिए हैं जहां मेडिकल-पैरामेडिकल सेवाएं गायब हैं। अस्पतालों में मरीज भगवान भरोसे रहते हैं। अखिलेश ने कहा भाजपा सरकार पांच साल बिताने के बाद अब छठे वर्ष में प्रवेश कर रही है, लेकिन गरीब मरीजों के प्रति उसकी उदासीनता बरकरार है। सच्चाई छुपती नहीं और झूठ ज्यादा दिनों तक चलता नहीं। जनता भाजपा सरकार के झूठे वादों के पोस्टरों और विज्ञापनों से ऊब चुकी है। जनता अब किसी के भी बहकावे में आने वाली नहीं है। बता दें कि इससे पहले अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर हमलावर होते हुए कहा था कि भाजपा सरकार की मानसिकता किसान विरोधी है। किसानों की कीमत पर पूंजी-घरानों का पोषण हो रहा है।

गन्ना किसानों का 13 अरब रुपए बकाया

गन्ना किसानों का सहकारी चीनी मिलों पर अरबों रुपये बकाया है। खीरी की ही चीनी मिल पर गन्ना किसानों का 13 अरब रुपये बकाया है। भाजपा सरकार लगातार बकाया राशि के बारे में झूठ बोल रही है। सपा अध्यक्ष ने एक बयान में कहा कि 14 दिन में गन्ने का भुगतान का दम भरने वाली भाजपा सरकार यह क्यों नहीं बताती कि किसानों का अब तक भुगतान क्यों नहीं हुआ? खीरी जिले में दो सहकारी और सात निजी क्षेत्र की चीनी मिले हैं। रूहेलखंड के बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर जिलों में चीनी मिलों पर करोड़ों रुपए बकाया है। किसान बदहाली के शिकार हैं। भाजपा सरकार के कर्जमाफी के झूठे दावों तले दबे किसानों की जाने जा रही हैं।

भ्रष्टाचार पकड़ा गया तो ईडी पर दबाव डालने की कोशिश : पाठक

» डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कांग्रेस पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेशी पर कांग्रेस के प्रदर्शन पर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो जेल से बेल पर हैं वो नारा दे रहे हैं आओ दिल्ली को घेरो। उनका भ्रष्टाचार पकड़ा गया है, इसलिए ईडी पर दबाव डालने की कोशिश की जा रही है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि आज भ्रष्टाचार के इस मामले में कुछ प्रश्नों का जवाब कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को देश के समक्ष देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बताए कि क्या 1930 के दशक में एसोसिएटेड जनरल लिमिटेड (एजेएल) समाचार पत्र पब्लिश करने के लिए कंपनी बनी थी या नहीं, यह कंपनी 5000 स्वतंत्रता सेनानियों की भागीदारी से बनी थी या नहीं। उन्होंने पूछा कि क्या आज वही कंपनी गांधी परिवार के तहत यंग इंडियन रियल एस्टेट बिजनस नहीं कर रही है, क्या 2010 में पांच लाख रुपये से यंग इंडियन कंपनी बनाई गई थी, उसमें 76 प्रतिशत की भागीदारी राहुल एवं सोनिया गांधी की है या नहीं? उन्होंने राहुल गांधी से यह भी पूछा कि क्या यंग इंडियन के माध्यम से एजेएल की 2000 करोड़ रुपये से ज्यादा की पूरी संपत्ति जो स्वतंत्रता सेनानियों की थी, वो एक परिवार को सौंप दी गई?

विधान परिषद में भाजपा का कुनबा बढ़ा

» केशव मौर्य व स्वामी प्रसाद सहित 13 विधान परिषद प्रत्याशी निर्विरोध जीते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 13 सीटों पर हो रहे चुनाव में सभी उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। इसमें योगी सरकार के सात मंत्रियों सहित भाजपा के 9 और सपा के 4 उम्मीदवार शामिल हैं। छह जुलाई को रिक्त होने वाली विधान परिषद की 13 सीटों के लिए चुनाव में सोमवार को नाम वापसी की अंतिम समय सीमा के बाद इसकी घोषणा कर दी गई।

निर्वाचन अधिकारी बृज भूषण दुबे ने विजयी प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र वितरित कर दिए। दरअसल, विधान परिषद की 13 सीटें छह जुलाई को रिक्त हो रही हैं। इन सीटों पर चुनाव के लिए प्रक्रिया दो जून से शुरू हुई। नौ जून तक 13 ही नामांकन दाखिल किए गए। 10 जून को नामांकन पत्रों की जांच में सभी नामांकन वैध पाए गए। सोमवार को नाम वापसी की आखिरी तारीख है। दोपहर तीन बजे समय सीमा बीतने के बाद नियमानुसार चुनाव की स्थिति न बनने पर सभी उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया।

विधान परिषद में भाजपा होगी मजबूत

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की छह जुलाई को 13 सीटें खाली हो रही हैं। इसमें से भारतीय जनता पार्टी की तीन सीटें खाली हो रही हैं। वहीं समाजवादी पार्टी के छह सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इनके अलावा बहुजन समाज पार्टी के तीन और कांग्रेस की एक सीट खाली हो रही है। भारतीय जनता पार्टी इस चुनाव में सबसे अधिक फायदे में रही है। उसने नौ सीटों पर जीत दर्ज की है। इस प्रकार से बसपा और कांग्रेस की सभी खाली सीटों के अलावा सपा की दो खाली सीट भी भाजपा के पाले में गई है। इससे विधान परिषद में भाजपा की स्थिति और मजबूत होगी।

ये प्रत्याशी जीते निर्विरोध

भाजपा प्रत्याशियों में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, पंचायतीराज मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कश्यप, आयुष राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र और अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी शामिल हैं। अन्य दो में लखनऊ महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा और कन्नौज के पूर्व विधायक बनवारी लाल दोहरे हैं। वहीं सपा के प्रत्याशियों में स्वामी प्रसाद मौर्य सहित चार प्रत्याशियों ने विधान परिषद चुनाव के लिए नामांकन किया था। इनमें अखिलेश यादव के लिए करहल विधानसभा सीट छोड़ने वाले सोबरन सिंह यादव के पुत्र मुकुल यादव, सहारनपुर के शाहनवाज खान व सीतापुर के पूर्व विधायक जासमीर अंसारी शामिल हैं।

माहौल खराब करने वालों पर करें सख्त कार्रवाई : दुर्गा शंकर

» मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नूपुर शर्मा के बयान को लेकर कानपुर और प्रयागराज में हिंसक प्रदर्शन हुए। अभियुक्तों के खिलाफ हुई कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि गड़बड़ी फैलाने वालों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए गए हैं। इंटरनेट मीडिया पर कड़ी नजर रखते हुए अधिकारी छोटी से छोटी घटना में तुरंत कार्रवाई करें।

मुख्य सचिव ने प्रदेशभर के मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ वीसी की। माहौल खराब करने का प्रयास करने वालों पर सख्ती कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि लोगों को समझाया जाए कि बाहर की घटनाओं को लेकर प्रदेश की शांति व्यवस्था को खराब करना अनुचित है और इससे लोगों का रोजी-रोजगार भी प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्ती के साथ-साथ मित्रवत संवाद भी रखा जाए। छोटी सी छोटी घटना पर तुरंत एक्शन लें। वहीं अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने निर्देश दिया कि किसी भी घटना में वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत हस्तक्षेप कर मामले को वहीं पर शांत कराने का प्रयास करें। मुख्य सचिव ने कहा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्तार अंसारी कानून व्यवस्था के लिए चुनौती : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। बाहुबली मुख्तार अंसारी को विधायक निधि गबन के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से तगड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने मुख्तार अंसारी की जमानत अर्जी को खारिज करते हुए उसे कानून व्यवस्था के लिए कलंक और चुनौती करार दिया है। कोर्ट ने सरकार से कहा है कि सरकार विधानसभा अध्यक्ष व तीन नौकरशाहों की कमेटी से विधायक निधि के दुरुपयोग का ऑडिट कराए।

यह आदेश न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी की पीठ ने मुख्तार अंसारी की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि याची की पहचान बताने की जरूरत नहीं है। उसे भारत के हिंदी भाषी राज्यों में कथित तौर पर रॉबिन हुड की छवि के तौर जाना जाता है। वह कठोर और आदतन अपराधी है, जो 1986 से अपराध के क्षेत्र में है। कोर्ट ने इसे न्याय प्रणाली के लिए कलंक और चुनौती बताया। कहा कि जेल में बंद रहते विधायक चुना गया। अर्जी पर उपेंद्र उपाध्याय ने बहस की थी।

राष्ट्रीय स्तर पर घटा सपा का रुतबा

राज्य सभा की कमेटी से हो सकती है बाहर, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष पद पर भी खतरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा का रुतबा राष्ट्रीय स्तर पर घटा है। विधान सभा में सदस्यों की संख्या बढ़ी है, लेकिन राज्य सभा से लेकर विधान परिषद तक उसकी धाक कम हुई है। ऐसे में राज्य सभा की कमेटी से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है तो विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष का पद भी खोना पड़ सकता है। इससे पार्टी के सामने राष्ट्रीय राजनीति में चुनौतियां बढ़ेंगी। इस लिहाज से भी आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा का उपचुनाव अहम है।

विधान सभा चुनाव में सपा के विधायकों की संख्या 47 से बढ़कर 111 हो गई है। सहयोगी दलों को जोड़ दें तो यह संख्या 125 हो गई है लेकिन विधान परिषद में पार्टी की स्थिति लगातार कमजोर हुई है। प्राधिकारी क्षेत्र चुनाव में 33 सीटें गंवाने के बाद सपा के 17 एमएलसी बचे थे। 26 मई तक छह सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो गया। वहीं छह जुलाई को भी छह अन्य सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो जाएगा। ऐसे में चार नए चयनित सदस्यों को जोड़ दें तो छह जुलाई के बाद कुल संख्या नौ बचेगी। नियमानुसार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष का पद बनाए रखने के लिए 10 एमएलसी जरूरी होते हैं। अभी नेता प्रतिपक्ष के पद पर लाल बिहारी यादव हैं। ऐसे में प्रदेश की सियासत में नेता प्रतिपक्ष का पद सुर्खियों में हैं। जानकारों का कहना है कि करीब ढाई दशक बाद राज्य सभा में सपा इतनी कमजोर हुई है। इसी तरह लोक सभा में सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव, शफीकुर्रहमान और डॉ. एसटी हसन सदस्य हैं। लोक सभा व राज्य सभा को मिलाकर अभी सिर्फ छह सदस्य है। ऐसे में चर्चा तो यह भी है कि पार्टी की दलगत मान्यता पर भी संकट आ सकता है। इस लिहाज से रामपुर और आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव अहम है।

सहयोगियों को साधने में सिकुड़ी सपा

सपा को इस चुनाव में केवल एक सीट मिली। नए सदस्यों के शपथ लेने के बाद उसकी दो सीटें कम हो जाएंगी। हालांकि, ये संख्या तीन बनी रहती अगर सपा सहयोगियों को साधने के लिए दो सीटें नहीं देती। यूपी में सपा तीन सीटें मिलनी तय थी। इसमें से एक सीट उसने अपने सहयोगी रालोद को तो एक सीट निर्दलीय कपिल सिब्बल को दे दी।

राज्यसभा में सपा के पांच सदस्य

राज्य सभा में सपा के पांच सदस्य हैं। इनमें से तीन का कार्यकाल जुलाई में खत्म हो रहा है। इनकी जगह पार्टी ने राज्य सभा में तीन नए सदस्य भेजे हैं लेकिन उसके खाते में सिर्फ एक सदस्य का नाम जुड़ेगा। क्योंकि कपिल सिब्बल निर्दलीय सदस्य हैं तो जयंत चौधरी राष्ट्रीय लोकदल से। ऐसे में राज्य सभा में प्रो. रामगोपाल यादव, जया बच्चन और जावेद अली सपा की नुमाइंदगी करेंगे। दूसरी तरफ राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल राज्य सभा की स्वास्थ्य व परिवार कल्याण समिति के अध्यक्ष हैं। समिति को अलग से कार्यालय और स्टॉफ मिला हुआ है। राज्य सभा में सदस्यों की संख्या पांच से कम होने पर अध्यक्ष पद पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। राष्ट्रपति चुनाव के बाद यह पद छिन सकता है क्योंकि अध्यक्ष पद पर सपा से अधिक सदस्य संख्या वाले दलों का दावा होगा। इस पर वरिष्ठ पत्रकार अरविंद कुमार सिंह कहते हैं कि राष्ट्रीय स्तर पर रुतबा बनाए रखने के लिए सपा को राज्य सभा व लोक सभा में सदस्य संख्या बढ़ानी होगी।

नतीजे के बाद घट गईं भाजपा की सीटें

राज्य सभा में इस वक्त भाजपा के पास कुल 95 सीटें हैं। इनमें से 25 सीटों पर चुनाव हुआ। चुनाव के बाद भाजपा की तीन सीटें कम हो जाएंगी। अब सदन में भाजपा सांसदों की संख्या घटकर 92 हो जाएगी। इसके बाद भी भाजपा फायदे में रही है। महाराष्ट्र और कर्नाटक में मौजूदा संख्या बल के हिसाब से उसे एक-एक सीट का फायदा हुआ है। वहीं, हरियाणा में भाजपा समर्थित निर्दलीय की जगह फिर से भाजपा समर्थित निर्दलीय के जीतने पर भी भाजपा फायदे में रही है।

कांग्रेस की सीटें बढ़ीं लेकिन उम्मीद से कम

कांग्रेस को नौ सीटों पर जीतने में सफल रही। उसे सबसे ज्यादा तीन सीटें राजस्थान, दो सीटें छत्तीसगढ़ और एक-एक सीट मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और महाराष्ट्र में मिलीं, जिन सीटों पर चुनाव हुआ उनमें से सात फिलहाल कांग्रेस के पास थीं। इस लिहाज से उसे दो सीटों का फायदा हुआ है। हालांकि ये फायदा उम्मीद के मुताबिक नहीं है। बेहतर मैनेजमेंट के जरिए पार्टी कम से कम दो सीटें और जीत सकती थी। हरियाणा में जहां उसे अपने ही विधायक की बगावत ने एक सीट से वंचित कर दिया तो कर्नाटक में जेडीएस के साथ तालमेल नहीं होने से नुकसान हुआ।

प्रदेश को और हरा-भरा करने की तैयारी में सरकार, बस मानसून का है इंतजार

- **रोपे जाएंगे 35 करोड़ पौधे निर्धारित किया गया मंडलवार लक्ष्य**
- **डीएम और मंडलायुक्तों को जारी किए गए निर्देश, तैयारी तेज**
- **कई जिलों पर खास फोकस, चलाया जाएगा अभियान**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश को और हरा-भरा करने के लिए प्रदेश सरकार ने कमर कस ली है। अधिकारियों को अब मानसून के आने का इंतजार है। मानसून के आते ही प्रदेश भर में 35 करोड़ पौधे रोपे जाएंगे। प्रत्येक मंडल को पौधों के रोपने का लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। इसके जरिए प्रदूषण पर नियंत्रण लगाने की भी कवायद की जाएगी।

उत्तर प्रदेश सरकार मानसून सीजन में 35 करोड़ पौधे रोपेगी। इसकी तैयारियां पूरी कर मंडलवार लक्ष्य आवंटित किया गया है। वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना और अपर मुख्य सचिव वन मनोज सिंह खुद साप्ताहिक समीक्षा कर रहे हैं। मनोज सिंह ने बताया 35 करोड़ के लक्ष्य में से 12.60 करोड़ पौधे वन विभाग और 22.40 करोड़ अन्य विभागों को रोपने हैं। किस जिले में किसे कितने पौधे लगाने हैं, इसके निर्देश वन मुख्यालय के अलावा सभी डीएम व मंडलायुक्तों को दिए गए हैं। वन मंत्री ने भी उन जिलों पर खास ध्यान देने के लिए कहा है, जहां फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में वृक्ष आवरण घटा है। इनमें वाराणसी, चंदौली और मिर्जापुर खास हैं। पीलीभीत और लखीमपुर खीरी में अभियान चलाया जाएगा। बरेली में बरेली-बदायूं रोड पर पौधरोपण बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। रामगंगा नदी के किराने अखा-गैनी रोड पौधरोपण न के बराबर है।

प्रदूषण नियंत्रण पर भी फोकस

सरकार प्रदेश के कई जिलों में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण को लेकर भी चिंतित है और इसे कम करने की रणनीति पर काम कर रही है। अधिक से अधिक पौधों का रोपण कर वह प्रदूषण स्तर को कम करने की कोशिश कर रही है। पौधों को संरक्षित रखने के भी निर्देश है।

किस मंडल में कितने पौधे

मेरठ	:	13308616
सहारनपुर	:	9508420
आगरा	:	18455932
अलीगढ़	:	13515848
मुरादाबाद	:	19011560
बरेली	:	20710940
प्रयागराज	:	19397934
वाराणसी	:	18076428
मिर्जापुर	:	19647620
गोरखपुर	:	16193856
बस्ती	:	10951072
आजमगढ़	:	13582558
लखनऊ	:	40190546
अयोध्या	:	25169014
देवीपाटन	:	22910838
कानपुर	:	26308866
झांसी	:	19558068
चित्रकूट	:	23501884

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण कब?

सवाल यह है कि प्रदूषण पर नियंत्रण क्यों नहीं लग पा रहा है? कोर्ट के आदेश के बावजूद सरकार प्रदूषण को लेकर गंभीर क्यों नहीं है? शहरों में प्रदूषण बढ़ाने वाले कारकों को नियंत्रित क्यों नहीं किया जा रहा है? राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्या कर रहा है? प्रदूषण नियंत्रण के लिए जारी आदेश कागजों पर दम क्यों तोड़ रहे हैं?

यूपी समेत पूरा उत्तर भारत भीषण गर्मी की चपेट में है। पारा रोज तेजी से चढ़ रहा है। यूपी के अधिकांश शहरों में प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदूषण और गर्मी के कारण लोगों का सांस लेना दूभर हो गया है। सबसे अधिक परेशान श्वांस रोगी हैं। तमाम कवायदों के बावजूद प्रदूषण पर नियंत्रण नहीं लग रहा है। सवाल यह है कि प्रदूषण पर नियंत्रण क्यों नहीं लग पा रहा है? कोर्ट के आदेश के बावजूद सरकार प्रदूषण को लेकर गंभीर क्यों नहीं है? शहरों में प्रदूषण बढ़ाने वाले कारकों को नियंत्रित क्यों नहीं किया जा रहा है? राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्या कर रहा है? प्रदूषण नियंत्रण के लिए जारी आदेश कागजों पर दम क्यों तोड़ रहे हैं? आखिर सरकार इसका स्थायी समाधान क्यों नहीं निकाल पा रही है? क्या लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने की छूट दी जा सकती है?

कोरोना काल में एक ओर लोग भीषण गर्मी से परेशान हैं वहीं प्रदूषण के कारण उनकी सांस फूलने लगी है। उत्तर प्रदेश के अधिकांश शहरों की आबोहवा बेहद खतरनाक हो गयी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक 13 जून यानी कल देश के 150 शहरों में अंबाला की हवा सबसे खराब रही। यहां का एक्यूआई यानी वायु गुणवत्ता 339 रही। यह बेहद खराब श्रेणी है। यूपी के मेरठ का एक्यूआई 331 तो मुजफ्फरनगर का 328 रहा। यूपी के जिन शहरों की वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही है उसमें बुलंदशहर, गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, हापुड़, लखनऊ और नोएडा शामिल हैं। लखनऊ का एक्यूआई 246 दर्ज किया गया है। यह स्थिति तब है जब सरकार ने वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए आदेश जारी कर रखे हैं। दरअसल, वायु गुणवत्ता की खराबी का कारण सड़क पर उड़ते धूल कणों के अलावा कल-कारखानों से निकलने वाला धुआं भी जिम्मेदार है। वहीं कड़े आदेशों के बावजूद सड़कों पर फर्राटा भरते कंडम वाहन भी वातावरण को प्रदूषित कर रहे हैं। धुआं और धूल कण वातावरण में तैरते रहते हैं और सांस के साथ लोगों के शरीर में प्रवेश करते हैं। इससे लोगों को श्वांस संबंधी बीमारियां हो रही हैं। प्रदूषण का असर बच्चों पर भी पड़ने लगा है। जाहिर है, सरकार को चाहिए कि वह प्रदूषण बढ़ाने वाले कारकों को नियंत्रित करने के लिए जारी आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करे साथ ही प्रदूषण नियंत्रण के लिए जरूरी कदम भी उठाए ताकि लोगों के स्वास्थ्य को प्रदूषण से सुरक्षित किया जा सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मनुष्यता को नकारती है सांप्रदायिकता

विश्वनाथ सचदेव

शायद यह पहली बार है जब देश में किसी टीवी चैनल के कार्यक्रम को लेकर उठा विवाद अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गया हो और यह भी शायद पहली बार है जब किसी राजनीतिक दल ने अपने राष्ट्रीय प्रवक्ता को पार्टी से इसलिए निलंबित या निष्कासित किया हो कि उसकी करनी से ऐसा कोई विवाद उठ खड़ा हुआ है। किसी भी जिम्मेदार चैनल अथवा जिम्मेदार पार्टी-प्रवक्ता से इस तरह की चूक या भूल की अपेक्षा नहीं की जा सकती। हालांकि, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने बिना शर्त खेद प्रकट किया है पर इसमें संशय नहीं है कि इस विवाद ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर देश के लिए मुश्किल स्थिति पैदा कर दी है।

हमारा संविधान हमें अपने धर्म के अनुसार आचरण करने और प्रचार-प्रसार करने की आजादी देता है, लेकिन उस लक्ष्मण-रेखा का उल्लंघन करने का अधिकार किसी को नहीं है जो देश में धार्मिक सौहार्द की स्थिति को बनाये रखने के लिए जरूरी है लेकिन इस रेखा का उल्लंघन न करने का दायित्व जिन पर है वे अक्सर अपनी सीमा लांघ लेते हैं। यह चिंता की बात है और खतरे की भी। आजादी के बाद जब हमने अपना संविधान बनाया तो उसमें सर्वसम्मति से यह कहना जरूरी समझा था कि भारत के हर नागरिक को अपने धर्म के अनुसार आचरण करने का अधिकार होगा और यह भी कि सरकार के स्तर पर धर्म के संदर्भ में किसी के साथ भी किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जायेगा। पंथ-निरपेक्षता के इसी सिद्धांत के अनुसार हमने एक बहुधर्मी देश का सपना देखा और इस बात के प्रति सावधान रहे कि हमारा यह सपना खंडित न हो लेकिन इस व्यवस्था और सावधानी के बावजूद ऐसे तत्वों को सिर उठाने के अवसर मिलते रहे हैं जो धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने का कारण बनते हैं। ऐसा ही एक अवसर भाजपा के प्रवक्ता का टीवी बहस में अनुत्तरदायी आचरण से बन गया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन इससे भी अधिक दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि अक्सर हमारे टीवी कार्यक्रम में भाग लेने वाले और एंकर भी जानबूझकर ऐसे विवादों को हवा देते हैं जो सांप्रदायिक तनाव को बढ़ाने का काम करते हैं। जो टिप्पणी की गयी वह अनावश्यक तो थी ही, आपराधिक भी थी। संबंधित प्रवक्ता का कहना है कि वह अपने आराध्य के बारे में की जा रही टिप्पणियों से व्यथित थी इसलिए उसके मुंह से यह बात निकल गयी लेकिन यह भी एक

दुर्भाग्यपूर्ण सच्चाई है कि ऐसी बहसों में भाग लेने वाले अक्सर ऐसा कर बैठते हैं। वैसे, सजा सिर्फ ऐसा कुछ बोलने वालों को ही क्यों मिले? सजा की भागी तो उस एंकर की चुप्पी भी होती है जो ऐसे आपराधिक व्यवहार को देखकर अनदेखा कर देता है। एंकर का कर्तव्य बनता है कि वह हस्तक्षेप करे गलत करने या बोलने वाले को ऐसा करने से रोके। पर सच्चाई यह है कि कि जहां टीवी बहस में भाग लेने वाले भड़काऊ बयानों से अपना राजनीतिक हित साध रहे होते हैं, वहीं एंकरों की निगाह अपनी टीआरपी पर होती है। राजनीति और व्यवसाय के इस खेल में हार राष्ट्रीय और सामाजिक हितों की होती है।

देश में जब-तब सांप्रदायिकता की आग फैलाने वालों को अपने स्वार्थ दिखते हैं, देश का हित नहीं। इन स्वार्थों के खिलाफ भी एक लड़ाई लड़नी होगी। सच तो यह है कि यह लड़ाई लगातार जारी रहनी चाहिए। सांप्रदायिकता फैलाने वाले व्यक्ति और विचार दोनों के दुश्मन हैं। यह एक अच्छी बात है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया मोहन भागवत ने धार्मिक उन्माद फैलाने वालों के खिलाफ आवाज उठायी है। काशी में ज्ञानवापी मस्जिद के संदर्भ में चल रहे विवाद में उन्होंने इतिहास को इतिहास ही रहने की सलाह दी है।

भाजपा के प्रवक्ता ने अपनी ग़लती स्वीकारी है लेकिन ऐसे किसी स्वीकार में 'यदि' के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। खेद इसलिए नहीं होना चाहिए कि किसी को बात बुरी लगी है बल्कि इसलिए होना चाहिए कि बात बुरी है। किसी भी धर्म के खिलाफ कुछ भी कहना बुरा है। बुराई किसी धर्म में नहीं होती, बुराई धर्म के अनुरूप आचरण न करने वालों में होती है। इस बात को समझ कर ही हम गांधी की इस बात को स्वीकार कर पायेंगे कि हमारी लड़ाई बुरे के खिलाफ नहीं बुराई के खिलाफ है। हम तो ईश्वर-अल्लाह एक हैं में विश्वास करते हैं। फिर क्यों हम घुलने देते हैं हवा में सांप्रदायिकता का जहर? सांप्रदायिकता मनुष्यता का नकार है। सवाल किसी एक पार्टी प्रवक्ता को निलंबित या निष्कासित करने का नहीं है, सवाल उस विचार को मन-मस्तिष्क से निकालने का है जो हमें हिंदू और मुसलमान में, ईसाई और पारसी में बांटता है। धर्म के नाम पर बांटने वाली राजनीति को हर कीमत पर नकारना होगा।

मोबाइल की बढ़ती लत

आशुतोष चतुर्वेदी

मोबाइल ने सारा परिदृश्य बदल दिया है। मोबाइल चुपके से कब हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन गया, हमें पता ही नहीं चला। अब हम सब मौका मिलते ही मोबाइल के नये मॉडल की बातें करने लगते हैं। व्हाट्सएप, फेसबुक और ट्विटर तो जीवन की जरूरतों में कब शामिल हो गये, हमें पता ही नहीं चला। मोबाइल फोन के बिना तो हमारा जीवन जैसे अधूरा ही है। शायद आपने अनुभव किया हो कि यदि आप कहीं मोबाइल भूल जाएं या फिर वह किसी तकनीकी खराबी से वह बंद हो जाए तो आप कितनी बेचैनी महसूस करते हैं, जैसे जीवन का कोई अहम हिस्सा अधूरा रह गया हो। सूचनाएं हों अथवा कारोबार या फिर मनोरंजन, मोबाइल फोन की लोगों को लत लग गयी है।

कुछ दिन पहले लखनऊ में एक बेटे ने मां के मोबाइल फोन पर पबजी खेलने से मना करने पर उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। रोंगटे खड़े कर देने वाली यह घटना बताती है कि हम तकनीक के कितने बंधक हो गये हैं और उसके लिए किस हद तक जा सकते हैं। बेटा दो दिन तक घटना को छिपाये रखा। मुंबई में एक 16 वर्षीय बच्चे ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। मोबाइल की लत से युवकों का सोना-जागना, पढ़ना-लिखना और खान-पान सब प्रभावित हो जाता है और वे बेगाने से हो जाते हैं। इसके लिए कुछ हद तक माता-पिता भी दोषी हैं। मां-बाप को लगता है कि वे बच्चों को संभालने का सबसे आसान तरीका सीख गये हैं। दो-ढाई साल की उम्र के बच्चे को कहानी सुनाने के बजाये मोबाइल पकड़ा दिया जाता है और जल्द ही उन्हें इसकी लत लग जाती है। हमें यह समझना होगा कि टेक्नोलॉजी दोतरफा तलवार है। एक ओर जहां यह वरदान है तो दूसरी ओर मारक भी है। तकनीक की ताकत इतनी है कि उसके प्रभाव से कोई भी मुक्त नहीं रह सकता है। बच्चे को तो छोड़िए, हम और आप भी इससे मुक्त नहीं हैं। मैंने पाया कि कुछ लोगों को व्हाट्सएप की लत इतनी लग जाती है कि वे थोड़े-थोड़े अंतराल पर उसको अगर नहीं देख पाते हैं, तो परेशान हो उठते हैं।

टेक्नोलॉजी ने हमारी युवा पीढ़ी में कितना परिवर्तन कर दिया है। मोबाइल ने उनका बचपन छीन लिया है। उसके सोने, पढ़ने के समय, हाव-भाव और खान-पान सब बदल चुका है। पहले माना जाता था कि पीढ़ियां 20 साल में बदलती है, फिर तकनीक ने इस परिवर्तन को 10 साल कर दिया और अब नयी व्याख्या है कि पांच साल में पीढ़ी बदल जाती है। इसका मतलब यह है कि पांच साल में दो पीढ़ियों में आमूल-चूल परिवर्तन हो जाता है। अब बच्चे किशोर, युवा जैसी उम्र की सीढ़ियां चढ़ने के बजाये सीधे वयस्क बन जाते हैं। शारीरिक रूप से भले ही वे वयस्क नहीं होते हैं, लेकिन मानसिक रूप से वे वयस्क हो जाते हैं। अब खेल के मैदानों में आपको गिने-चुने बच्चे ही नजर आयेंगे।

अब तो माता-पिता भी बच्चे से कुछ कहने से डरते हैं कि वह कहीं कुछ कर न ले। एक गंभीर संवादहीनता की स्थिति निर्मित होती जा रही है। दिक्कत यह है कि हम सब यह चाहते हैं कि देश में आधुनिक टेक्नोलॉजी आए लेकिन उसके साथ किस तरह तारतम्य बिठाना है, इस पर विचार नहीं करते। नोकिया वार्षिक मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडेक्स रिपोर्ट, 2022 से पता चलता है कि भारत दुनिया में सबसे अधिक डेटा उपयोग करने वाले देशों में एक है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत में लोग अन्य देशों की तुलना में स्मार्ट फोन पर औसतन ज्यादा समय बिताते हैं। रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्मार्ट फोन पर वीडियो देखने का चलन खासा बढ़ा है और यह 2025 तक आते-आते बढ़ कर चार गुना तक हो जायेगा। हमारे देश में 2021 में डेटा ट्रैफिक में 31 फीसदी की वृद्धि हुई है और औसत मोबाइल डेटा खपत प्रति उपयोगकर्ता प्रति माह 17 जीबी तक पहुंच गयी है। कुछ वर्ष पहले मुझे लंदन में आयोजित बीबीसी के मीडिया लीडरशिप इवेंट में हिस्सा लेने का मौका मिला था। इसमें बदलते तकनीकी परिदृश्य पर विस्तार से चर्चा हुई। तकनीक को लेकर तो मीडिया के क्षेत्र में भी खूब प्रयोग हुए हैं। लोग अखबार तो पढ़ ही रहे हैं, साथ ही वे वेबसाइट और अन्य नये माध्यमों के जरिये भी खबरें प्राप्त कर रहे हैं। इस दौरान एक दिलचस्प तथ्य भी सामने आया कि यूरोप में मोबाइल इस्तेमाल करने वाले औसतन दिन में 2617 बार अपने फोन स्क्रीन को छूते हैं।

कोरोना काल में निश्चित रूप से इस औसत में और वृद्धि हुई होगी। मुझे लगता है कि भारत भी इस मामले में बहुत पीछे नहीं होगा। नीलसन की एक रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर, 2021 तक 64.6 करोड़ भारतीय इंटरनेट का इस्तेमाल रहे थे। कुछ अन्य संस्थाएं इस संख्या के 80 करोड़ तक होने का दावा करती हैं। यह बहुत बड़ी संख्या है। इससे अंदाजा लगता है कि हमारे जीवन में तकनीक का हस्तक्षेप कितना बढ़ गया है। जाहिर है अब हमें नयी परिस्थितियों से तालमेल बिठाने के विषय में सोचना होगा। सच तो यह है कि यह समस्या अकेले भारत की नहीं है। पूरी दुनिया इसकी चपेट में है। सभी देश इससे जूझ रहे हैं लेकिन वे समाधान निकालने का प्रयास कर रहे हैं। दूसरी ओर भारत में अब तक इस दिशा में कोई विचार-विमर्श नहीं हुआ है। किसी भी समाज और देश के लिए यह बेहद चिंताजनक स्थिति है।

हरसिंगार
हर बीमारी में असरदार

ना रंगी डंडी वाले सफेद खूबसूरत और महकते हरसिंगार के फूलों को आपने जरूर देखा होगा लेकिन क्या आपने कभी हरसिंगार की पत्तियों से बनी चाय पी है या इसके फूल, बीज या छाल का प्रयोग स्वास्थ्य एवं सौंदर्य उपचार के लिए किया है। आप नहीं जानते तो, जरूर जान लीजिए यह पौधा चमत्कारी औषधीय गुणों से भरपूर है। इसे जानने के बाद आप हैरान हो जाएंगे। हरसिंगार के फूलों से लेकर पत्तियां, छाल एवं बीज भी बेहद उपयोगी हैं। इसकी चाय न केवल स्वाद में बेहतरीन होती है बल्कि सेहत के गुणों से भी भरपूर है। इस चाय को आप अलग-अलग तरीकों से बना सकते हैं और सेहत व सौंदर्य के कई फायदे पा सकते हैं। जानिए विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार में किस तरह लाभकारी है हर सिंगार।

विधि-1: हरसिंगार की चाय बनाने के लिए इसकी दो पत्तियां और एक फूल के साथ तुलसी की कुछ पत्तियां लीजिए और इन्हें एक गिलास पानी में उबाल लीजिए। जब सब अच्छी तरह से उबल जाए तो इसे छानकर गुनगुना या ठंडा करके पी लें। आप चाहें तो स्वाद के लिए शहद या मिश्री भी डाल सकते हैं। यह खांसी में फायदेमंद है।

विधि-2: हरसिंगार के दो पत्ते और चार फूलों को पांच से 6 कप पानी में उबालकर, 5 कप चाय आसानी से बनाई जा सकती है। इसमें दूध का इस्तेमाल नहीं होता। यह स्फूर्तिदायक होती है।

चाय के अलावा भी हरसिंगार के वृक्ष के कई औषधीय लाभ हैं। जानिए कौन.कौन सी बीमारियों में कैसे करें इसका इस्तेमाल...

मधुमेह में लाभदायक

मधुमेह के इलाज में हरसिंगार के पत्ते का रस एक प्रबल औषधि है। इसके पत्ते के रस का सेवन करने से रक्त में शर्करा का स्तर नियंत्रित रहता है। मधुमेह के रोगी को इससे काफी आराम मिलता है।

जोड़ों में दर्द

हरसिंगार के 6 से 7 पत्ते तोड़कर इन्हें पीस लें। पीसने के बाद इस पेस्ट को पानी में डालकर तब तक उबालें जब तक कि इसकी मात्रा आधी न हो जाए। अब इसे ठंडा करके प्रतिदिन सुबह खाली पेट पिएं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से जोड़ों से संबंधित अन्य समस्याएं भी समाप्त हो जाएंगी।

खांसी

काली खांसी हो या सूखी खांसी, हरसिंगार के पत्तों को पानी में उबालकर पीने से बिल्कुल खत्म हो सकती है। आप चाहें तो इसे सामान्य चाय में उबालकर पी सकते हैं या फिर पीसकर शहद के साथ भी प्रयोग कर सकते हैं।

बुखार

किसी भी प्रकार के बुखार में हरसिंगार के पत्तियों की चाय पीना बेहद लाभप्रद होता है। डेंगू से लेकर मलेरिया या फिर चिकनगुनिया तक, हर तरह के बुखार को खत्म करने की क्षमता इस पौधे की पत्तियों में होती है।

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

हरसिंगार के पत्तों का रस या फिर इसकी चाय बनाकर नियमित रूप से पीने पर शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और शरीर हर प्रकार के रोग से लड़ने में सक्षम हो जाता है। इसके अलावा पेट में कीड़े होना, गंजापन, स्त्री रोगों में भी हर सिंगार का सेवन बेहद फायदेमंद है।

इन में मिलता है लाभ

- **साइटिका-** दो कप पानी में हरसिंगार के लगभग 8 से 10 पत्तों को धीमी आंच पर उबालें और आधा रह जाने पर इसे आंच से उतार लें। ठंडा हो जाने पर इसे सुबह शाम खाली पेट पिएं। एक सप्ताह में आप फर्क महसूस करेंगे।
- **त्वचा के लिए-** हरसिंगार की पत्तियों को पीसकर लगाने से त्वचा संबंधी समस्याएं समाप्त होती हैं। इसके फूल का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से चेहरा उजला और चमकदार हो जाता है।
- **हृदय रोग-** हृदय रोगों के लिए हरसिंगार का प्रयोग बेहद लाभकारी है। इसके 15 से 20 फूलों या उसके रस का सेवन करना हृदय रोग से बचाने में काफी कारगर होता है।
- **दर्द-** हाथ, पैरों व मांसपेशियों में दर्द व खिंचाव होने पर हरसिंगार के पत्तों के रस में बराबर मात्रा में अदरक का रस मिलाकर पीने से फायदा होता है।
- **अस्थमा-** सांस संबंधी रोगों में हरसिंगार की छाल का चूर्ण बनाकर पान के पत्ते में डालकर खाने से लाभ होता है। इसका प्रयोग सुबह और शाम को किया जा सकता है।

हंसना मना है

टीचर- बहुवचन किसे कहते है? पप्पू- जब बहू अपने ससुराल वालों को खरी-खोटी सुनाती है तो उसे बहु वचन कहते हैं। अध्यापक जी बेहोश होते-होते बचे।

सल्टू-यार मैं अपने पुराने दोस्तों को बहुत मिस कर रहा हूं। गर्लफ्रेंड-अरे बेबी मैं हूं न तुम्हारे पास। सल्टू-सच्ची। गर्लफ्रेंड-हां। सल्टू-तो चल फिर पांच सौ रुपए उधार दे, तेरे लिए गिफ्ट लेना है।

पत्नी-जानू क्या तुम मेरे लिए शेर मार कर ला सकते हो? पति-नो बेबी, कुछ और बताओ, मैं तुम्हारे लिए कुछ और भी कर सकता हूं। पत्नी-क्या मैं तुम्हारा व्हाट्सएप चेक कर सकती हूं। पति -कहां है ओ शेर जिसके बारे में तुम बात कर रही थी, अभी मार कर लाता हूं।

पप्पू-पापा घर पर मेहमान आये हैं शरबत बनाने के लिए नींबू नहीं है...क्या करूं? पापा-अरे डरता क्यों है, नए विम बार में 100 नींबुओं की शक्ति है...डाल दे दो बूंद।

पति-मेरे सीने में बहुत दर्द हो रहा है, जल्दी से एम्बुलेंस के लिए कॉल लगाओ। पत्नी-हां, लगाती हूं, अपने मोबाइल का पासवर्ड बताओ। पति-रहने दो, अब थोड़ा ठीक लग रहा है।

कहानी — तर्क

एक सात साल की लड़की को मैथ्स पढ़ा रहे टीचर ने पूछा, अगर मैं तुम्हे एक सेब दूं, फिर एक और सेब दूं और फिर एक और सेब दूं, तो तुम्हारे पास कितने सेब हो जायेंगे? लड़की ने कुछ देर सोचा और अपनी अंगुली पर जोड़ने लगी-चार, लड़की का उत्तर आया। टीचर थोड़ा निराश हो गया, उसे लगा कि ये तो कोई भी बता सकता था। शायद बच्चे ने ठीक से सुना नहीं, टीचर ने मन ही मन सोचा। उसने पुनः प्रश्न दोहराया। लड़की टीचर का चेहरा देख कर समझ चुकी थी कि वो खुश नहीं है, वह पुनः अपनी अंगुलियों पर जोड़ने लगी और सोचने लगी कि ऐसा क्या उत्तर बताऊं, जिससे टीचर खुश हो जाए। अब उसके दिमाग में ये नहीं था कि उत्तर सही हो, बल्कि ये था कि टीचर खुश हो जाये। इस बार भी लड़की ने बताया, चार। टीचर फिर निराश हो गया, उसे याद आया कि लड़की को स्ट्रॉबेरी बहुत पसंद हैं। हो सकता है सेब पसंद न होने के कारण वो अपना फोकस लूज कर दे रही हो। इस बार उसने पूछा, अगर मैं तुम्हे एक स्ट्रॉबेरी दूं, फिर एक और स्ट्रॉबेरी दूं और फिर एक और स्ट्रॉबेरी दूं तो तुम्हारे पास कितने स्ट्रॉबेरी हो जायेंगे? टीचर को खुश देख कर, लड़की भी खुश हो गयी। अब उसके ऊपर कोई दबाव नहीं था बल्कि टीचर को ही चिंता थी कि उसका नया तरीका काम कर जाये। उत्तर देते समय लड़की फिर थोड़ा झिझकी और बोली, तीन! टीचर खुश हो गया। उसे लगा कि अब लड़की समझ चुकी है और अब वो इस तरह के किसी भी प्रश्न का उत्तर दे सकती है। अच्छा बेटा तो बताओ, अगर मैं तुम्हे एक सेब दूं, फिर एक और सेब दूं , और फिर एक और सेब दूं तो तुम्हारे पास कितने सेब हो जायेंगे? पिछला जवाब सही होने से लड़की का आत्मविश्वास बढ़ चुका था, उसने बिना समय गंवाए उत्तर दिया, चार। टीचर क्रोधित हो उठा, तुम्हारे पास दिमाग नहीं है क्या, जरा मुझे भी समझाओ कि चार सेब कैसे हो जायेंगे। लड़की डर गयी और टूटते हुए शब्दों में बोली क्योंकि मेरे बैग में पहले से ही एक सेब है।

शिक्षा- कई बार ऐसा होता है कि सामने वाले का जवाब हमारे अनुकूल नहीं होता है तो हम अपना टेंपर लूज कर देते हैं, पर जरूरत इस बात की है कि हम उसके जवाब के पीछे का लॉजिक समझें।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

थोड़े प्रयास से काम बनेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। मान-सम्मान प्राप्त होगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे।

वृषभ

पुराना रोग उभर सकता है। बेवजह विवाद की स्थिति निर्मित होगी। दुखद समाचार प्राप्त हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। भागदौड़ अधिक होगी। दुविधा रहेगी।

मिथुन

प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। अज्ञात भय रहेगा। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेरोजगारी दूर होगी।

कर्क

विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य में सफलता प्राप्त करेगा। अध्ययन संबंधी बाधा दूर होगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह

पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी विशेष व्यक्ति से अकारण विवाद हो सकता है।

कन्या

दुष्टजनों से दूर बनाएं। धार्मिक कार्य, पूजा-पाठ-दान इत्यादि में खर्च होगा। कोर्ट व कचहरी तथा सरकारी कार्यालयों में रुके कार्य मनोनुकूल रहेंगे।

तुला

शत्रु नतमस्तक होंगे। आराम का वक्त प्राप्त होगा। चैन की सांस ले पाएंगे। थकान व कमजोरी रह सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृश्चिक

पुराना रोग उभर सकता है। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी व्यक्ति विशेष से विवाद हो सकता है। मान घटेगा। जल्दबाजी न करें।

धनु

परीक्षा, प्रतियोगिता व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें।

मकर

शारीरिक कष्ट संभव है। अनहोनी की आशंका रहेगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कुम्भ

यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया लेनदारी वसूल होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा।

मीन

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। नए कार्य मिल सकते हैं। सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मान-सम्मान प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी।

जुग जुग जियो' का गाना दुपट्टा रिलीज होते ही यूजर्स ने किया बुरी तरह ट्रोल, पूछा- कहां है दुपट्टा

फिल्म 'जुग जुग जियो' का इन दिनों जमकर प्रमोशन किया जा रहा है। करण जौहर के प्रोडक्शन की फिल्म में वरुण धवन, कियारा आडवाणी, अनिल कपूर और नीतू कपूर मुख्य भूमिका में है। फिल्म के ट्रेलर को काफी पसंद किया गया जिसके बाद मेकर्स को इससे काफी उम्मीदें हैं। 'जुग जुग जियो' का गाना 'नच पंजाबन' पहले ही हिट हो चुका है। रविवार को इसका एक अन्य गाना 'दुपट्टा' रिलीज किया गया। करण जौहर ने गाने को अपने ट्विटर अकाउंट से शेयर किया जिसके बाद उन्हें ट्रोल किया जाने लगा।गाना 'दुपट्टा' एक परफेक्ट पार्टी नंबर है। इसमें वरुण धवन और कियारा आडवाणी ने अपने जबरदस्त डांस मूव्स दिखाए हैं। गाने का नाम भले ही 'दुपट्टा' हो लेकिन एक भी सीन में दुपट्टा नहीं दिखता। बस फिर क्या था सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे नोटिस किया और ट्रोल करने लगे। करण जौहर ने गाने के साथ कैप्शन में लिखा, 'डांस फ्लोर को हॉट रखते हुए आपका पार्टी एंथम ऑफ द ईयर पेश है।' एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'मतलब सच में वीडियो में एक दुपट्टा तक नहीं है।' एक अन्य ने कहा, 'अरे गाने में एक दुपट्टा तो डाल देते।' एक ने कहा, दुपट्टा कहां है? बता दें कि 'जुग जुग जियो' से अभी तक 3 गाने रिलीज हो चुके हैं। फिल्म का पहना गाना 'नच पंजाबन' था। उसके बाद 'रंगीसारी' और अब 'दुपट्टा' आया है। यह एक पारिवारिक ड्रामा है जिसमें पति-पत्नी तलाक लेना चाहते हैं। फिल्म 24 जून को सिनेमाघरों में आएगी।

बॉलीवुड | मन की बात

हमारी शादी के बाद कुछ खास बदलाव नहीं हुए : रणबीर कपूर

बॉलीवुड के पॉवर कपल कहे जाने वाले रणबीर कपूर और आलिया भट्ट ने 14 अप्रैल को मुंबई में शादी रचाई थी। रणबीर-आलिया एक दूसरे को पिछले पांच सालों से डेट कर रहे थे और इस पर चुप्पी साधे हुए थे। रणबीर-आलिया की शादी से उनके फैंस काफी खुश हैं और उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। आलिया भट्ट से शादी करने के बाद रणबीर की लाइफ में क्या कुछ बदला है या उनकी मैरिड लाइफ कैसी चल रही है। इस पर एक्टर ने खुलकर बात की है। जी हां, उन्होंने बताया है कि आलिया से शादी के बाद क्या बदलाव हुए। हाल ही में एक न्यूज पोर्टल को दिए इंटरव्यू में रणबीर कपूर ने कहा कि हमारी शादी के बाद कुछ खास बदलाव नहीं हुए। हम पिछले पांच सालों से एक दूसरे के साथ हैं और शादी के अगले ही दिन हम दोनों अपने काम पर निकल गए थे। आलिया अपने शूट पर चली गई थीं और मुझे मनाली जाना था शूटिंग के लिए। एक्टर ने आगे कहा, आलिया इन दिनों लंदन में अपनी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। जब वह वापस आ जाएंगी और मेरी फिल्म शमशेरा रिलीज हो जाएगी, तब हम दोनों ऑफ लेने का प्लान कर रहे हैं। अभी तो हमें ऐसा नहीं लगता है कि हमारी शादी हो गई है। बता दें, रणबीर कपूर शादी के बाद अपनी अपकमिंग फिल्म एनिमल की शूटिंग के लिए मनाली के लिए निकल गए थे। तो वहीं आलिया हॉलीवुड फिल्म शूट के लिए विदेश चली गई थीं। फिल्म ब्रह्मास्त्र 9 सितंबर, 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें रणबीर-आलिया साथ नजर आएंगे। कपल की ये पहली फिल्म होगी, जिसमें दोनों एक साथ होंगे और इनके लव एंगल को दिखाया जायेगा। आलिया व रणबीर इन दिनों विदेश दौरे पर हैं।

महिमा चौधरी का लुक देख इमोशनल हुए फैंस

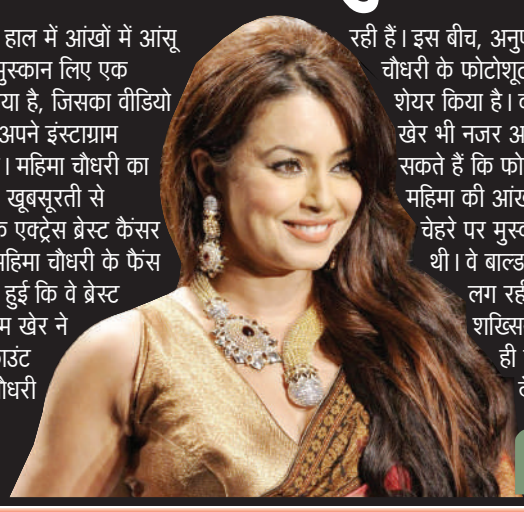

महिमा चौधरी ने हाल में आंखों में आंसू और चेहरे पर मुस्कान लिए एक फोटोशूट करवाया है, जिसका वीडियो अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया है। महिमा चौधरी का चेहरा एक अलग तरह की खूबसूरती से जगमगा रहा है। बता दें कि एक्ट्रेस ब्रेस्ट कैंसर का उपचार करा रही हैं। महिमा चौधरी के फैंस को यह जानकर तकलीफ हुई कि वे ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित हैं। अनुपम खेर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से बताया था कि महिमा चौधरी कैंसर से जूझ रही हैं। वे फिलहाल इस बीमारी से उबरने की कोशिश कर रही हैं। इस बीच, अनुपम खेर ने महिमा चौधरी के फोटोशूट का एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में अनुपम खेर भी नजर आ रहे हैं। आप देख सकते हैं कि फोटोशूट के दौरान महिमा की आंखों में आंसू थे और चेहरे पर मुस्कान बिखरी हुई थी। वे बाल्ड लुक में बेहद सुंदर लग रही हैं। एक्ट्रेस की शख्सियत का एक अलग ही पक्ष लोगों को देखने को मिला है। अनुपम खेर ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'कभी कभी आंखों में आंसू होने के बावजूद हंसना पड़ता है, दर्द में भी मुस्कुराना पड़ता है, ताकि आप दुखों में जी सकें। एक्टर का पोस्ट लोगों के दिलों को छू रहा है. महिमा चौधरी ने एक वीडियो के जरिये बाल्ड होने से जुड़ी बातें बताई हैं। महिमा अपने तजुर्बे से कहती हैं कि बाल्ड होने में भी एक सुंदरता है। हालांकि, उन्हें कुछ लोगों ने बताया कि विग का इस्तेमाल करना भी कूल बात है। वे जैसा चाहें, वैसा अपना लुक बनाए रख सकती हैं। उन्हें लोगों ने विग तोहफे के तौर पर दिए हैं जिसे उन्होंने लगाया भी, पर किसी का उन पर ध्यान नहीं गया। एक्ट्रेस ने बड़े हौसले के बाद बाल्ड लुक में आने का फैसला किया था।

बॉलीवुड | मसाला

51 साल से इस गड्ढे से निकल रही है भीषण आग, जिसे माना जाता है नरक का दरवाजा

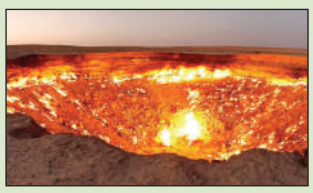

दुनियाभर में ऐसी कई स्थान हैं जहां कुछ ऐसी घटनाएं हो चुकी है, जिनके बारे में आजतक कोई पता नहीं लगा पाया कि आखिर ये होती क्यों हैं। ऐसी ही एक घटना 47 साल पहले तुर्कमेनिस्तान के काराकुम रेगिस्तान में घटी जो आज भी लोगों के लिए किसी रहस्य से कम नहीं है। दरअसल, यहां एक रहस्यमयी गड्ढे से 47 साल से लगातार आग निकल रही है। लोग इसी लिए लोग इसे नरक का द्वार कहते हैं। दरअसल, 70 के दशक में सोवियत यूनियन दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश हुआ करता था। साल 1971 में यहां के वैज्ञानिकों का एक दल प्राकृतिक गैस की खोज में तुर्कमेनिस्तान के काराकुम रेगिस्तान पहुंचा। वैज्ञानिकों ने वहां एक गड्ढा खोदा गया। इस गड्ढे के आसपास बड़ी-बड़ी मशीनें लगाई गईं और जमीन के अंदर खुदाई शुरू की गई। खुदाई के दौरान एक दिन अचानक जमीन का एक बड़ा हिस्सा भरभराकर नीचे धंस गया। उसके बाद यहां एक बड़ा गड्ढा बन गया। धीरे-धीरे ये गड्ढा 130 फुट चौड़ा और 60 फुट गहरा हो गया। इस गड्ढे से लगातार मिथेन गैस निकल रही थी। इसके बाद वैज्ञानिकों ने सोचा कि इस गैस को जला दिया जाए। जिससे गड्ढे में मौजूद मीथेन गैस कुछ दिनों में खत्म हो जाएंगी। उसके बाद वैज्ञानिकों ने इस गड्ढे में आग लगा दी। लेकिन उनसे ये गलती हो गई कि आग बुझ जाएगी, मगर ऐसा नहीं हुआ और ये गड्ढे की आग आज भी लगातार जलती जा रही है। इस रहस्यमयी गड्ढे से ऐसी भयानक आग की लपटें निकलती हैं कि लोग देखकर डर जाते हैं। यहां तक कि वैज्ञानिकों की भी इस गड्ढे के अंदर जाने की हिम्मत नहीं होती है। यही कारण है कि आसपास के गावों में रहने वाले लोग इसे नरक का द्वार कहते हैं। उनका मानना है कि नरक में भी ऐसी ही आग की लपटें होती हैं। बता दें कि तुर्कमेनिस्तान की सरकार ने इस गड्ढे को भरने की कई बार कोशिश की, लेकिन हर बार उन्हें नाकामी ही हाथ लगी। हालांकि अब ये जगह एक पर्यटक स्थल बन चुकी है। यहां दूर-दूर से लोग आते हैं और इस रहस्यमयी गड्ढे को देखते हैं। इस जगह से आज भी मिथेन गैस की बदबू आती है।

अजब-गजब | भारत के इस मंदिर में पति-पत्नी एक साथ नहीं कर सकते दर्शन

इस मंदिर में पति-पत्नी के एक साथ दर्शन करने से हो जाता है तलाक!

हमारे देश में कई ऐसे मंदिर हैं, जहां आज भी कई अजीब परंपराएं निभाई जाती है। कई मंदिरों में तो महिलाओं का जाना वर्जित है, तो वहीं कहीं पुरुष भी जा सकते हैं। हालांकि हिंदू धर्म में किसी भी पूजा-पाठ में पति-पत्नी का साथ होना बेहद जरूरी और इसे शुभ भी माना जाता है। माना जाता है कि पूजा में अगर पति-पत्नी साथ रहते हैं, तो इससे भगवान की कृपा दोनों पर एकसाथ बनी रहती है। हालांकि एक मंदिर ऐसा भी है, जहां पति पत्नी साथ में भगवान के दर्शन नहीं कर सकते हैं। अगर वे ऐसा करते हैं तो उन्हें सजा मिलती है।

हिमाचल में माता दुर्गा का श्राई कोटि नाम से एक अनोखा मंदिर है। इस मंदिर में आपको पति-पत्नी एक साथ पूजा करते हुए दिखाई नहीं देंगे। इस मंदिर में जो? एक साथ मां के दर्शन नहीं कर सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि अगर उन्होंने ऐसा किया, तो उनमें जल्द ही तलाक हो जाता है। इस परंपरा के बारे में बताया जाता है कि ऐसा भगवान शिव से जुड़ी एक मान्यता के कारण होता है।

यहां जाने वाले जोड़े अलग-अलग जाकर मूर्ति के दर्शन करते हैं। मान्यता ये है कि अगर कोई गलती से कपल एक साथ अंदर चला ही जाता है, तो उन्हें इस बात की सजा दी जाती है। वैसे इस बात में कितनी सच्चाई है, इसके बारे में कहना थोड़ा मुश्किल है। आप इस मंदिर को देखकर आस्था भी कह सकते हैं और अंधविश्वास का भी नाम दे सकते हैं।

यह है मान्यता?

पौराणिक मान्यता के अनुसार, यहां भगवान शिव ने अपने दोनों पुत्र कार्तिकेय और गणेश को परिक्रमा करने को कहा। पिता का आदेश पाने के बाद कार्तिकेय ने पूरे ब्रह्मांड की परिक्रमा की, लेकिन गणेश जी ने माता पार्वती और शिव के चक्कर लगाए और उनकी चरणों में जाकर कहा कि माता-पिता के चरणों में ही पूरा ब्रह्मांड बसता है। जब कार्तिकेय ब्रह्मांड की परिक्रमा करके लौटे, तो उन्होंने देखा कि गणेश को विजेता घोषित कर दिया गया है। ये देख उन्हें गुस्सा आ गया और कार्तिकेय ने कभी शादी ना करने का फैसला किया। कार्तिकेय के इस संकल्प से मां पार्वती नाराज हो गई। उन्होंने कहा कि यहां जो पति-पत्नी एक साथ उनके दर्शन करेंगा, वे जल्द ही एक दूसरे से अलग हो जाएंगे। तब से अब तक यहां कोई भी पति-पत्नी एक साथ पूजा नहीं करते हैं।

कुशीनगर: बस-ट्रक में टक्कर, चार की मौत, एक दर्जन से अधिक घायल

» बिहार से मजदूरों को लेकर पंजाब जा रही थी बस

» घायलों का चल रहा इलाज, पुलिस कर रही घटना की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुशीनगर। जनपद में बस और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में चार मजूदरों की मौत हो गई जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस बिहार से मजूदरों को लेकर पंजाब जा रही थी। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

बिहार के मधेपुरा से पंजाब के पटियाला में धान की रोपनी के लिए मजदूरों को लेकर जा रही बस संख्या पीबी 30एन 8878 के हाटा नगर के समीप नेशनल हाइवे पर बालू लदे खड़े ट्रक से भिड़ जाने से बस के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में दो मजदूरों की मृत्यु मौके पर हो गई और एक दर्जन से अधिक घायल हो गए। घटना रात में दो बजे के आसपास हुई। पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी हाटा पहुंचाया जहां चिकित्सक ने पूरन सादा 18 वर्ष निवासी बराही थाना, जिला मधेपुरा बिहार तथा धीरेन 18 वर्ष निवासी बेलारी जिला मधेपुरा को मृत घोषित कर दिया। वहीं अस्पताल जाते समय सुशील 30 वर्ष पुत्र सुकन निवासी बराही, मधेपुरा व हृदय 50 वर्ष निवासी बराही थाना मधेपुरा ने दम तोड़ दिया। दुर्घटना में ठेकेदार राजेश, राजकुमार, विकास सादा, विजय सादा सहित एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। ठेकेदार ने बताया कि हर वर्ष खेती के सीजन में वे जाते हैं और वहां मजदूरी करते हैं। कुछ दिन बाद वापस घर लौटते हैं। बिहार की तुलना में वहां उनको दोगुने से अधिक मजदूरी मिलने की भी बात बताई है। मजदूरों के स्वजन को सूचित कर पुलिस अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

बस में 80 लोग थे सवार

बस में लगभग 80 लोग सवार थे। सभी मजदूर व ठेकेदार मधेपुरा जिले के निवासी हैं। कोतवाल राजेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि दुर्घटना की जानकारी मिलते ही घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। अभी तहरीर नहीं मिली है। सभी मजदूर थे, रोजी रोटी के लिए रोपनी करने जा रहे थे।

जंगल में मिला वृद्धा का शव, सनसनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» लकड़ी बीनने गई थी महिला

बिजनौर। हीमपुर दीपा क्षेत्र में आज सुबह गांव चौकपुरी के जंगल में मनरेगा मजदूर 60 वर्षीय वृद्धा का शव मिला। इससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गुड़िया पत्नी चंद्रपाल निवासी छोईया नंगली मनरेगा में मजदूरी करती थीं। सोमवार को वह जंगल में लकड़ी बीनने गई थीं। देर शाम जब वापस नहीं लौटीं तो स्वजन को चिंता हुई। उन्होंने उनकी तलाश की। आज सुबह उसका शव गांव चौकपुरी के जंगल में किसान ऋषिपाल के गन्ने के खेत में पड़ा मिला। यह सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। पुलिस के अनुसार मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। मृतका के शरीर पर बाहरी तौर पर चोट के कोई निशान मौजूद नहीं हैं। पुलिस ने मृतका के पति की तहरीर पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस मुठभेड़ में तीन लुटेरे गिरफ्तार, दो को लगी गोली

» लूट के मामले में थी पुलिस को तलाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। जनपद के नानौता में पुलिस मुठभेड़ में वैगनआर कार सवार तीन बदमाशों में से दो गोली लगने से घायल हो गए। पकड़े गए तीनों बदमाश आठ जून को प्राइवेट कंपनी के कैशियर के साथ हुई दो लाख 35 हजार रुपये की लूट की घटना में शामिल थे। घायल बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

थानाध्यक्ष चंद्रसेन सैनी ने बताया कि सोमवार की रात करीब साढ़े नौ बजे वैगनआर कार सवार तीन बदमाशों का पीछा करते हुए पुलिस ने उन्हें सोनाअर्जुनपुर मार्ग पर घेर लिया। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर तमंचों से फायर किया। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश पुलिस की गोली से घायल हो गए। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने तीनों बदमाशों को धर दबोचा। पुलिस मुठभेड़ में पकड़े गए बदमाश प्रवीण उर्फ अनिल पुत्र मेहरचंद निवासी हिरनबाग थाना बाबरी जिला शामली, सिंकू पुत्र परशुराम निवासी धरमपुर थाना खड़कपुर जिला मुंगेर बिहार और राजेश कुमार पुत्र कैलाशदास निवासी जंदा थाना मनार जिला वैशाली बिहार शातिर किस्म के लुटेरे हैं। आठ जून को दिशा माइक्रो इंडिया क्रेडिट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड में कैशियर के पद पर तैनात विमल कुमार पुत्र पुराण सिंह के साथ दो लाख 35 हजार रुपये की लूट की घटना को उस समय अंजाम दिया था जब वह पीएनबी पांडुखेडी शाखा में रुपये जमा कराने गया था।

देवरिया में धारदार हथियार से बाप-बेटे की हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवरिया। रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र में रंजिश को लेकर सोमवार की रात बाप-बेटे की हत्या कर दी गई। वहीं एक बेटा गंभीर है। उसका गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। हमलावरों ने धारदार हथियार से वारदात को अंजाम दिया। पुलिस दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। तनाव को देखते हुए गांव में कई थानों की पुलिस को तैनात कर दिया गया है ।

देवरिया सदर कोतवाली क्षेत्र के देवरी टोला के रहने वाले 50 वर्षीय शहीद अली पुत्र शकुर मोहम्मद अपनी ससुराल रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के महाराजगंज में जा कर बस गए थे। घर से कुछ दूरी पर गुमटी में शहीद अली की पत्नी तेतरा श्रृगांर का सामान बेचती हैं। सोमवार की देर शाम किसी बात को लेकर शहीद का मोबाइल पर किसी से विवाद हुआ था। इसके बाद परिवार के सभी लोग खाना खाकर सोने चले गए। शहीद अली घर के समीप गुमटी में सोने चला गया । देर रात हमलावर धारदार हथियार से लैस होकर दुकान पर पहुंचे। हमलावरों ने शहीद अली की मारपीट कर हत्या कर दी। शहीद अली का 22 वर्षीय बेटा नजीर दरवाजे पर चारपाई पर और उसका 20 वर्षीय बड़ा भाई सोनू चौकी पर सो रहा था। हमलावरों ने इन दोनों पर भी धारदार हथियार से हमला कर दिया जिससे नजीर अली की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रुप से घायल सोनू अली के परिजनों ने जिला अस्पताल पहुंचाया।

दूसरे बेटे की हालत गंभीर, दो हिरासत में

तीन चचेरे भाई गंगा में डूबे, परिवार में कोहराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» अंबेडकर नगर से विंध्याचल आये थे तीनों

मिर्जापुर। विंध्याचल धाम में गंगा स्नान के दौरान तीन चचेरे भाई डूब गए। घंटे भर की मशक्कत के बाद स्थानीय गोताखोरों ने तीनों को बाहर निकाला। उन्हें उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इससे परिवार में कोहराम मच गया।

अंबेडकर नगर जिले के जयपुर थाना क्षेत्र के नवादा गांव निवासी परिवार दर्शन पूजन के लिए विंध्याचल आया था। परिवार के तीन चचेरे भाई स्नान के लिए परशुराम घाट पर गए थे। स्नान करते समय गहरे पानी में जाने से तीनों चचेरे भाई शक्ति यादव (16) पुत्र इंद्रजीत, अमन यादव (17) पुत्र अमरजीत, वैभव यादव (17) पुत्र सन्त कुमार यादव डूबने लगे। शोर मचाने पर आसपास के गोताखोर उन्हें बचाने के लिए गंगा में कूदे। घंटों मशक्कत करने के बाद तीनों को बाहर निकाला गया। तब तक मौके पर पहुंची पुलिस तीनों को सीएचसी ले गई। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। तीन भाइयों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

दुनिया में भारत की छवि को लगा है धक्का

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पैगंबर मोहम्मद पर नूपुर शर्मा के विवादित बयान से जिस बहस की शुरुआत हुई थी वह खत्म होती नहीं दिख रही है। 16 देशों ने बीजेपी नेताओं की विवादित टिप्पणियों को लेकर भारत की कड़ी निंदा की है। ऐसे में सवाल उठता हैं कि नुपुर शर्मा कांड के बाद दुनिया भर में खराब हुई छवि को कैसे सुधारेगा भारत? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार एनके सिंह, शीतल पी सिंह, डॉ. राकेश पाठक, अमित मिश्रा, प्रो. लक्ष्मण यादव और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अमित मिश्रा ने कहा जिस पार्टी की प्रवक्ता को लेकर ये बवाल हो रहा है, वह चुप है। सस्पेंड करने, निष्कासित करने या लेटर जारी करने से कुछ नहीं होगा। पूरी दुनिया जानती है ये पार्टी की लाइन है। ऐसे में पार्टी को सामने आना चाहिए। एनके सिंह ने कहा, पहले बीजेपी पार्टी का स्ट्रक्चर दूसरा था। पॉलिटिकल पार्टी थी मगर आठ साल में मोदी ने वहां खड़ा कर दिया, जहां मशीनरीज खड़े हो गए। आज ये मशीनरीज पार्टी है। नुपुर शर्मा एक नहीं है। मोदी ने स्टेट का गुरूर छीन लिया है। नपुंसक बना दिया गया है पूरे स्टेट स्ट्रक्चर को। शीतल पी सिंह ने कहा कि ये जो कथित विश्व गुरू की छवि है। महाबली की है वह मीडिया द्वारा जनित है, यह सब जगह ध्वस्त हो रही। जापान में बाइडेन के आने की चर्चा थी मगर मोदी का ढोल बजाने पर भी सातवें पेज पर भी खबर नहीं। दुनियाभर में उपेक्षा हो रही है। 2.02 मनमोहन छोड़कर गए थे और आप 2.8 या 2.9 पर झूल रहे हो तो स्थिति तो विकट है। 4 डॉलर और गिर गया तो हमारी हालत श्रीलंका जैसी होगी।

डॉ. लक्ष्मण यादव ने कहा छवि बिगड़ी है देश की, लेकिन ऐसा कहना कि पूरा देश हिंसक घटनाओं व नफरती माहौल में शामिल हैं, सही नहीं है, लेकिन बदस्तूर यही जारी है। वे कोई सुधार करेंगे, ऐसी उम्मीद भी नहीं है।

डॉ. राकेश पाठक ने दो पंक्तियां सुनाते हुए कहा कि अभी भूमिका है कहानी नहीं है, लिखी जा रही है जुबानी नहीं है। कहां जाएगी पालकी राम जाने, कहारों की आंखों में पानी नहीं है। भारत की पालकी की जिन कंधों पर या जिन कहारों पर है, उनकी आंख का पानी मर गया है।

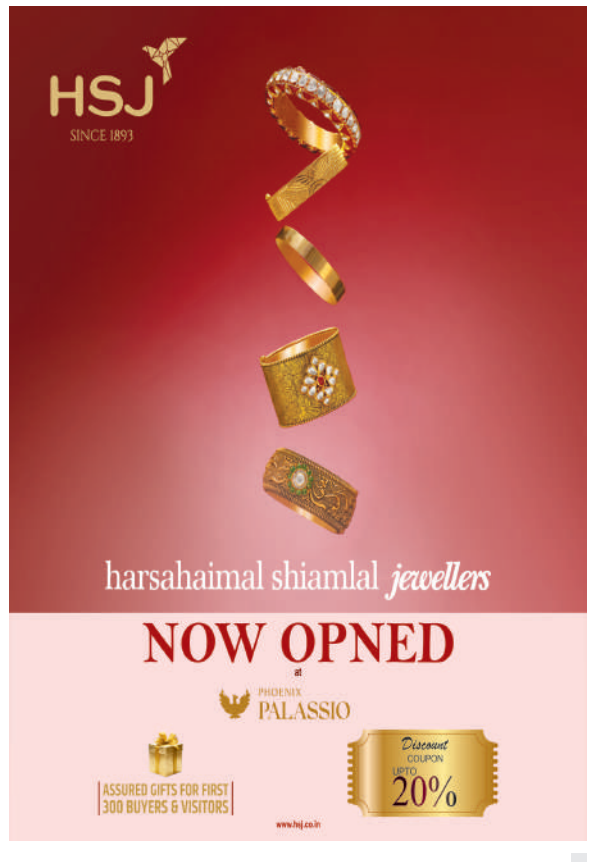

बड़ा मंगल : हनुमान मंदिर में उमड़े श्रद्धालु, प्रसाद वितरित

राजधानी लखनऊ में आज आखिरी बड़े मंगल पर विभिन्न मंदिरों में भंडारा लगाया गया। वहीं हनुमान सेतु मंदिर में आरती में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भक्तों ने जय बजरंग बली व जय श्रीराम के नारे लगाए। साथ ही गरीबों में प्रसाद भी बांटा। इसके अलावा शहर में कई जगहों पर भंडारे का आयोजन हुआ। लोगों ने खूब बूंदी, पूड़ी-सब्जी व छोले-चावल का प्रसाद छका। आलमनगर की कनक सिटी जयराम नगर में भी भंडारा लगा।

योगी कैबिनेट ने ट्रांसफर पॉलिसी को दी मंजूरी

» कोरोना काल के बाद से ट्रांसफर पर लगी थी रोक

» यूपी पुलिस में 40 हजार पदों पर होगी भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में तबादला नीति 2022 को मंजूरी दे दी गई है। इसकी जानकारी अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने दी है। उन्होंने बताया कि इस नीति के तहत 15 से 30 जून तक तबादले किए जाएंगे। बैठक में पुलिस के 40 हजार पदों पर भर्ती के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी गई।

बैठक में कृषि, उच्च शिक्षा, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, पर्यटन एवं संस्कृति सहित विभिन्न विभागों के करीब डेढ़ दर्जन प्रस्तावों पर चर्चा हुई। योगी सरकार की कैबिनेट बैठक मुख्यमंत्री आवास पर

जारी है। दोपहर 12 बजे से बैठक चल रही है। बता दें कि उत्तर प्रदेश विधानमंडल का बजट सत्र खत्म होने के बाद यह पहली कैबिनेट बैठक है। गौरतलब है कि सबसे पहले 12 मई 2020 को कुछ प्रतिबंधों के साथ सभी ट्रांसफर पर रोक लगा दी गई थी। 2020 और 2021 में कोविड की वजह से तबादला नहीं हो पाया था। तब से कर्मचारी इसी नीति का इंतजार कर रहें हैं। यूपी में

3 साल बाद होंगे तबादले

उत्तर-प्रदेश के करीब 2 लाख कर्मचारियों के लिए आज की कैबिनेट से खुशखबरी आई। अब एक जिले में तीन वर्ष और एक मंडल में 7 साल पूरे करने वाले समूह क और ख के स्थानांतरण के लिए सरकार ने तबदला नीति 2022 को मंजूरी दी है। इस नीति के तहत हर साल करीब 20 फीसदी कर्मचारियों का तबादला होता है। इस साल कम से कम 2 लाख कर्मचारियों का रूटीन में तबादला हो सकता है।

राज्य कर्मचारियों की कुल संख्या 10 लाख है। पसंद की जगह पोस्टिंग के लिए कर्मचारी विभागों में अधिकारियों के यहां पैरवी भी करने लगे थे।

प्रयागराज हिंसा के बवालियों के शहर में लगेंगे पोस्टर

» सीसीटीवी फुटेज, तस्वीरों से पहचाने गए 95 आरोपी

» उपद्रवियों को ढूंढ रही पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज में उपद्रव करने वालों की तलाश में पोस्टर लगाए जाएंगे। पुलिस ये तस्वीरें, सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस कैमरे और लोगों से मिले वीडियो से इकट्ठा करेगी। बवाल करने वालों की पहचान होने के चार दिन बाद भी उनका पता नहीं चला है। उनकी धरपकड़ के लिए पुलिस उनके पोस्टर लगाने की तैयारी कर रही है। वहीं प्रयागराज हिंसा के मास्टरमाइंड मोहम्मद जावेद उर्फ जावेद पंप का 2 मंजिला घर रविवार को बुलडोजर से गिरा दिया गया है।

जावेद की बेटी ने इस कार्रवाई को गलत बताया। जावेद पंप की पत्नी परवीन फातिमा ने हाईकोर्ट में पिटीशन दाखिल कर प्रयागराज विकास प्राधिकरण के खिलाफ कार्रवाई की मांग रखी है। जावेद की पत्नी का कहना है कि घर उनके नाम पर था। ये मकान उनके पिता ने उन्हें शादी से पहले गिफ्ट में दिया था, जिसमें जावेद का मालिकाना हक नहीं है। फिर भी उनको नोटिस दिया गया। प्रशासन ने इस मकान को ध्वस्त करा दिया।

घर गिराए जाने को हाईकोर्ट में चैलेंज करेंगी परवीन

प्रयागराज में जुमे की नमाज के बाद पथराव आगजनी मामले के आरोप में गिरफ्तार मास्टरमाइंड जावेद अहमद की पत्नी परवीन फातमा मकान ध्वस्तीकरण के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगी। कुछ वकीलों ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर याचिका कायम कर हस्तक्षेप करने की मांग की थी।

पूरे मामले में विकास प्राधिकरण ने इस मकान को बनाने के लिए नक्शा पास नहीं कराने की बात कही है। आईजी प्रयागराज रेंज डॉ. राकेश कुमार सिंह के मुताबिक प्रयागराज हिंसा में कई स्थानीय लोगों के घरों और वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है।

प्रो. रविकांत के समर्थन में आये पूर्व आईएएस हरिश्चंद्र

» उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ यूनिवर्सिटी में हिंदी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर रविकांत पर नारेबाजी, जातिगत टिप्पणियों और जानलेवा हमले के प्रयास में अवकाश प्राप्त आईएएस अधिकारी, पूर्व सचिव भारत सरकार, हरिश्चंद्र के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामबाबू हरित से मुलाकात कर न्याय संबंधी ज्ञापन सौंपा।

हरिश्चंद्र ने अध्यक्ष अनुसूचित जाति आयोग उत्तर प्रदेश से कहा कि प्रो. रविकांत पिछले कई साल से टेलीविजन की बौद्धिक बहसों में शामिल होते रहे हैं। वह बाबा साहब अंबेडकर की विचारधारा से प्रभावित है और उनके विचारों से समाज को जागरूक करते रहते हैं। जातिगत दुर्भावना से प्रेरित लखनऊ विवि के प्रोफेसर विभूति राय के उकसावे पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों और अन्य अराजक तत्वों ने रविकांत के खिलाफ जो नारेबाजी, जातिगत टिप्पणियां और जानलेवा हमला करने का प्रयास किया है, उस पर अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है, जबकि उल्टे उन पर सांप्रदायिक माहौल खराब करने का आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज की गई है जबकि उन्होंने इस डिबेट में जो बात रखी थी वह कई किताबों में दर्ज है। लेकिन पुलिस और विवि प्रशासन द्वारा विभूति राय को बचाया जा रहा है, वह निंदनीय है। हम मांग करते हैं कि अनुसूचित जाति आयोग रविकांत की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कराए और प्रोफेसर विभूति राय के खिलाफ एससी एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई कर उन्हें जेल भेजने का आदेश दे। हम सब दलित पिछड़े सामाजिक संगठन प्रो. रविकांत के समर्थन में खड़े हैं। उन्हें जब तक न्याय नहीं मिल जाता तब तक हम लोग ऐसे ही संघर्ष करते रहेंगे। प्रतिनिधि मंडल में पूर्व आईपीएस वंशीलाल, पूर्व जेल अधीक्षक हरीराम दोहरे, पूर्व जिला विकास अधिकारी संतलाल और सामाजिक चिंतक गौतम राणे सागर उपस्थित थे।

फोटो : 4पीएम

रक्तदान शिविर

लखनऊ। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। रक्तदान शिविर का शुभारम्भ जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने किया। इस मौके पर उनके साथ लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय भी मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।